प्रेरक विचार

आइआइएम रांची की ओर से लीडरशिप एंड गुड गवर्नेंस इन इंडियन कांटेक्स्ट विषय पर व्याख्यान

जो मुद्दों को समझे, सिस्टम सुधारे, वही लीडर : नायडू

रांची के आर्यभट् सभागार में रविवार को आइआइएम के अटल बिहारी बाजपेयी सेंटर फॉर लीडरशिप पॉलेसी एंड गुड गवर्नेंस के कार्यक्रम में बोलते उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ● जागरण

जागरण संवाददाता, रांची : उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने कहा कि लीडर का मतलब पॉलीटिशियन नहीं है। जो समाज के मुद्दे को समझे, हर जगह जाए, सिस्टम को सुधारे, सही मायने में वही लीडर है। उनमें चरित्र, आचरण, कार्य करने की क्षमता के साथ ईमानदारी, अनुशासन व डिटरमिनेशन होना चाहिए। इसके बाद ही वह अपनी जिम्मेदारियों के साथ समाज व देश को सकारात्मक परिणाम दे सकता है।

उन्होंने कहा कि सुशासन में समाज के हर वर्ग की भागीदारी जरूरी है। वे रविवार को मोरहाबादी स्थित आर्यभट्ट सभागार में आइआइएम रांची द्वारा अटल बिहारी वाजपेयी सेंटर फार लीडरशिप, पॉलिसी एंड गवर्नेंस के तहत आयोजित व्याख्यान में बोल रहे थे। इसका विषय लीडरशिप एंड गुड गवर्नेंस इन इंडियन कांटेक्स्ट था।

उपराष्ट्रपति ने कहा लीडर की पहचान सूट-बूट से नहीं, बल्कि उनकी थिंकिंग, कमिटमेंट, एग्जीक्यूशन व मैनेजमेंट से होती है। कार्य के प्रति एकाउंटेबल व रिस्पॉसिबल होना पड़ेगा तभी गुड गवर्नेंस संभव है। उन्होंने शासन में नेतृत्व के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद उपराष्ट्रपति ने आइआइएम के निःशक्त विद्यार्थी राकेश रंजन साहू के पास जाकर बातचीत की। मौके पर राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू, आइआइएम के निदेशक प्रो. शैलेंद्र सिंह, गवर्निंग बॉडी के चेयरमैन प्रवीण शंकर पांडया सहित अन्य थे।

मुख्य बातें

- डिस्ट्रक्शन से नहीं, कंस्ट्रक्शन से ही लोकतंत्र को मिलेगी मजबूती
- रिफार्म के लिए वैश्विक स्तर पर रहकर नहीं सोचें, स्थानीय समस्याओं को शामिल करें
- मानसिक तौर पर फिट रहने के लिए जरूरी है कि हम फिजिकली फिट भी रहा करें

संबंधित सामग्री ● पेज 04